पिछले 7 वर्षों में व्यापार, सुरक्षा और राष्ट्रीय समृद्धि में उत्तर प्रदेश अग्रणी: माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह

इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स सम्मेलन में उत्तर प्रदेश बना निवेशकों का पसंदीदा राज्य

ब्रांड उत्तर प्रदेश ने आईएसीसी सम्मेलन में प्रस्तुत की निवेश की अपार संभावनाएं

लखनऊ; दिनांक: 30 जनवरी 2024 -उत्तर प्रदेश सरकार की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी इन्वेस्ट यूपी तथा इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी) के संयुक्त तत्वाधान में आज नई दिल्ली में "अमृतकाल-आत्मनिर्भर भारत में भारत-अमरीका संबंधों के सुदृणीकरण" के विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत और अमरीका के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देना था।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में भारत के माननीय रक्षा मंत्री, श्री राजनाथ सिंह ने इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित करने में सफल रहा है। रक्षामंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि पिछले सात सालों में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था में व्यापक सुधार हुए हैं। साथ ही प्रदेश के सड़क, रेल, एवं वायु मार्गों में भी व्यापक सुधार हुए हैं, जिसके चलते उत्तर प्रदेश में निवेशकों का विश्वास बढ़ा है। माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी ने अमरीका के निवेशकों का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें उत्तर प्रदेश में मौजूद निवेश की विभिन्न संभावनाओं को तलाशना चाहिए। इसके अतिरिक्त, श्री राजनाथ सिंह जी ने व्यापार और वाणिज्य के बीच व्यापक संबंधों पर प्रकाश डाला और कहा कि इससे कर संग्रह में वृद्धि होती है। यह रक्षा और व्यवसाय दोनों के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करता है। उन्होंने निवेश और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) प्रयासों को बढ़ावा देने की महत्ता बताई, नई प्रौद्योगिकियों एवं नवीन उत्पादों की भूमिका पर बल दिया जो रक्षा और नागरिक दोनों क्षेत्रों में उपयोगी साबित होते हैं।

माननीय रक्षा मंत्री ने व्यापार और सुरक्षा के बीच सकारात्मक संबंध की ओर इशारा करते हुए कहा कि अमरीका ने लंबे समय से व्यापार समृद्धि और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच अंतरसंबंधों को मान्यता दी है।

विशिष्ट अतिथि, सचिव औद्योगिक विकास एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, इन्वेस्ट यूपी श्री अभिषेक प्रकाश ने उत्तर प्रदेश में निवेश की असीम संभावनाओं पर एक प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने राज्य के सुदृढ़ बुनियादी ढांचे, निवेश संगत नीतियों तथा 'आत्मनिर्भर भारत' के सिद्धांतों के बीच बेजोड़ तालमेल पर प्रकाश डाला।

श्री अभिषेक प्रकाश ने उत्तर प्रदेश में उपलब्ध मैन्युफैक्चरिंग, प्रौद्योगिकी और इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे विभिन्न सेक्टरों में निवेश अवसरों से सभा को अवगत करवाया। उन्होंने कहा, "उत्तर प्रदेश असीम संभावनाओं का प्रदेश है, देश के चौथे सबसे बड़े राज्य के तौर पर उत्तर प्रदेश निवेशकों के लिए बेहतरीन मंच प्रदान करता है।"

श्री अभिषेक प्रकाश ने आगे बताया, "24 करोड़ की जनसंख्या राज्य को देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता और श्रमिक बाजार बनाती है। राज्य कृषि/खाद्य प्रसंस्करण से लेकर नवीकरणीय/ सौर ऊर्जा, फार्मा तथा पर्यटन जैसे क्षेत्रों में अग्रणी है। हाल ही में अयोध्या में निर्मित भव्य राम मंदिर और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर (वाराणसी) के जीर्णोद्धार ने उत्तर प्रदेश को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित किया है। विशाल रोड और एक्सप्रेसवे नेटवर्क तथा जेवर में बन रहे नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से उत्तर प्रदेश में कनेक्टिविटी अतुलनीय है। डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और बुंदेलखण्ड इंडस्ट्रियल डेवेलपमेंट अथॉरिटी ने राज्य के औद्योगिकीकरण को नई गति प्रदान की है।

उत्तर प्रदेश के 28 GW हरित ऊर्जा निर्मित करने के महत्वकांक्षी लक्ष्य और राज्य में डाटा सेंटरों को बढ़ावा देने के रणनीतिक निर्णय, राज्य को सर्वोत्तम निवेश गंतव्य बनता है।"

उत्तर प्रदेश को प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में देखते हुए अमरीकी राजदूत श्री एरिक गार्सेटी ने दोनों देशों के बीच मजबूत सहयोग एवं पारस्परिक विकास की आशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि, इंडो अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स की यह कांफ्रेंस भारतीय और अमरीकी व्यवसायों के बीच पारस्परिक आर्थिक विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए उत्प्रेरक साबित होगी।

श्री मनोज सिंह, अपर मुख्य सचिव, वन,पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार ने उपस्थित अतिथियों से संवाद करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश सरकार औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच सामंजस्यपूर्ण संतुलन बनाते हुए प्रदेश के विकास के लिए जो कार्य कर रही है वह बेहद सराहनीय है।

इस अवसर पर अपनी बात रखते हुए, यूपी स्टेट कोऑर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष और आईएससीसी के एग्जीक्यूटिव कॉउन्सिल के सदस्य, श्री मुकेश सिंह ने कहा, "इन्वेस्ट यूपी के तत्वावधान में, उत्तर प्रदेश ने सुव्यवस्थित प्रशासनिक प्रक्रियाओं, बुनियादी ढांचे और सेक्टोरल नीतियों को लागू करते हुए, एक निवेशक-अनुकूल वातावरण तैयार किया है। उत्तर प्रदेश सरकार के इस व्यापक दृष्टिकोण ने यूपी में निवेशकों की राह आसान की है।"